Patrika (Indore), 17th August 2023, Page - 03

आइआइटी की बायोमैन्युफैक्चरिंग बैठक में शामिल हुए 20 वैज्ञानिक

इंदौर @ पत्रिका. भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित प्रिसिजन बायो-थेराप्यूटिक्स के जैव-निर्माण पर क्षेत्रीय विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। आइआइटी इंदौर की यह बैठक विशेष रूप से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी पर काम कर रही गतिविधियों पर थी। बैठक में 20 प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और उद्योग पेशेवरों सहित 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बैठक में भारत में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के जैव-निर्माण के लिए रणनीतिक दिशा को परिभाषित करने के लिए खास जानकारी साझा करने का प्लेटफॉर्म मिला। मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की विशिष्टता और चयनात्मकता के कारण इनका विभिन्न प्रकार की बीमारियों के उपचार और निदान में उपयोग होता है।आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और बायोसाइंसेज एवं बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अविनाश सोनावणे भी बैठक में उपस्थित थे। इन्होंने बायोसिमिलर और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के क्षेत्र में सटीक निर्माण के महत्व पर जोर दिया। डीबीटी की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अलका शर्मा ने बैठक से अपेक्षित उद्देश्यों और परिणामों की प्रासंगिकता पर चर्चा की। समिति के अध्यक्ष डॉ. जयंत भट्टाचार्य और सह-अध्यक्ष डॉ. धनंजय पाटणकर ने भी बातें रखी। डीबीटी और बीआइआरएसी से डॉ. ज्योति लोगानी, डॉ. वैशाली पंजाबी, डॉ. माधवी राव, डॉ. सोनिया गांधी भी उपस्थित थे।